



स्वयान कौके

पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पहे सेक्वी ।

थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा



PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय
नबनाओ,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने
काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा
अन्त्य गरौं ।



नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २४ अंक ५९ वि.सं. २०८३ भदौ २८ गते अँट्वार

थारु सम्वत (२६४९)

[Sunday 13 September 2026]

(मोल रु. ५ ।- पेज ४)

अँटवारीमे प्रदेशसे एक ओ कैलारीसे दुई दिन विदा डेहल

बालबालिका लक्षित बजेट तथा कार्यक्रमबारे छलफल



पहुरा समाचारबाता
धनगढी, २७ भदौ । थारु समुदायके मौलिक टिहवार अँटवारीमे सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे अँटवार एक दिन सार्वजनिक विदा डेले बा ।

कलेसे कैलाली जिल्लाके कैलारी गाउँपालिकासे दुई दिन विदा डेले बा । सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे राजपत्रमे प्रकाशित कैके थारु समुदायके मौलिक टिहवारके लाग अँटवार एक दिन विदा डेहल जनागिल हो । वसहेक कैलारी गाउँपालिकासे प्रदेश सरकारके विदामे ठप एक दिन ठप करके सोम्मारफे विदा डेहल गाउँपालिका अध्यक्ष राजसम्भक्त चौधरी जनैल ।

थारु समुदायसे अँटवार व सोम्मार दुई दिन अँटवारी टिहवार मनैठे । प्रकृति पुजक थारु समुदायमे खास कैके यी पर्व सूर्यके पूजा कैके रूपमे मनाजाइठ । सूर्यहे ओजार, अग्नी ओ शक्ति (उर्जा)के प्रतीकके रूपमे मानजाइठ ।

अँटवारीमे अक्केकरे रोटी -एक ओर किल पकाइल रोटी) पकैना चलन बा । अइसिक अक्केकरे रोटी उहाँ

भीमहे पुजन करजाइठ कना किम्बदन्ती बा कलेसे भीम, थारु राजा दंगीशरणहे लराइमे सघाइल ओ सबसे बलगर पुरुष भीम रहल ओरसे उहाँ जस्टे बलगर हुइना सकल्पके साथ पुरुषहुके उहाँक पूजा कैके अँटवारी व्रत बैठना विचार फेन जनमानसमे बा ।

अँटवारी कैसिक मनाजाइठ ?

अँटवारी, व्रत बैठके मनैना पर्व रहल ओरसे यम्ने फेन डटकइन (दर) खैना चलन बा । डटकइन व्रत बैठइयन मुर्गा कोल्नासे पहिले खाइ परठ । यदि खैनासे पहिले मुर्गा बोलि कलेसे डटकइन खाइ नैपाजाइठ । खैलेसे ऊ व्रत बैठे नैपाइठ । उहिनेहु डुठा मन्ना चलन बा ।

अँटवार अथवा अँटवारीके दिन व्रत बैठइयनके खान भान्सामे नैपाकठ । उहाँहुके बिहाने लहाके बहरी (घरके प्रवेशद्वारके पहिल कोठा) या अँगनामे गैयक गोबरसे लिपपोत करठे । लिपपोत कैके कोरे आगी (भान्सामे पहिले प्रयोग नैहुइल आगी, चोखा आगी) मे रोटी पकाजाइठ । पुरान आगी आज अपवित्र मानजाइठ । ओहेकारण गनयारी काठ या फोसा काठ घोटके निकारल चोखा

आगी प्रयोग करना करजाइठ । गुल्यार रोटी सूर्यके प्रतिकात्मक परिकारके रूपमे लेजाइठ । यी पर्वमे रोटी अनिवार्य रहठ । अन्य खैनाचिज भर सहायक रहठ । अँटवारीमे अन्डी ओ गोहुँके कैके दुई मेरिक रोटी रहठ कलेसे पक्की, अम्रुट, केरा, भेली मिठाई मिलाके मोसाके भुजा ओ मिठाइपानी एकएकचुटि सक्कु चीज एकमे मिलाके ओमे हवन करजाइठ (चहाजाइठ) । अगयारी डेना तीन चो दाहिन ओ तीन चो बाउओरसे पानी पछना (पानीके घेरो डरना) चलन बा । कोइ-कोइ पाँच या सात फेरा फेन पछना करठे । ओकरपाछे अपन चेत्ती-बेटीहुकनके लाग पहुराके रूपमे अग्रासन छुट्टइना चलन बा ।

अन्य व्रत जस्टे अँटवारीमे दिनभर निराहार बैठे नैपरठ । दिनके पूजा कैके खैना चलन बा । यी क्रम सूर्यास्त नैहुइतसम चलठ । सूर्यास्तपाछे खैना काम पूर्ण रूपसे बन्द रहठ ।

औरे दिन सोम्मार, फहार् करजाइठ । फहार् नैहुइतसम पानी समेत नैपिके निराहार बैठे परठ । फहार् अँटवारीके अन्तिम पूजा हो । यी दिन व्रतालुहुके बिहानेसे खानपिनके तयारीमे जुटल रहै ।

आजके खानामे खास कैके भात, खँरिया, फुलौरी, पोंड मिलाइल ठुसा, सुखौरा मच्छी, चिचिण्डो, घिरौला, भेन्डी लगायतके विजोर संख्यामे तरकारी बनाइल रहठ । मच्छीक सुखौरा विशेष मानजाइठ मने सिकर भर नैरहठ । फहार्पाछे किल सिकार नन्ना या खैना करजाइठ । फहार्पाछे निकारल अग्रासन आपन चेत्तीवेटिनहे डेना चलन रहल बा ।

सरी धूप (सल्लाके धूप), नौनी ओ खाइक लाग तयार करना वस्तु (अन्डीके रोटी, गोहुँक रोटी, पक्की, खिरा, अम्बा (बेलौटी), केरा, तरुल, भेली मिठाई मिलाइल मोसाके भुजा ओ मिठाइपानी) एकएकचुटि सक्कु चीज एकमे मिलाके ओमे हवन करजाइठ (चहाजाइठ) । अगयारी डेना तीन चो दाहिन ओ तीन चो बाउओरसे पानी पछना (पानीके घेरो डरना) चलन बा । कोइ-कोइ पाँच या सात फेरा फेन पछना करठे । ओकरपाछे अपन चेत्ती-बेटीहुकनके लाग पहुराके रूपमे अग्रासन छुट्टइना चलन बा ।

अन्य व्रत जस्टे अँटवारीमे दिनभर निराहार बैठे नैपरठ । दिनके पूजा कैके खैना चलन बा । यी क्रम सूर्यास्त नैहुइतसम चलठ । सूर्यास्तपाछे खैना काम पूर्ण रूपसे बन्द रहठ ।

औरे दिन सोम्मार, फहार् करजाइठ । फहार् नैहुइतसम पानी समेत नैपिके निराहार बैठे परठ । फहार् अँटवारीके अन्तिम पूजा हो । यी दिन व्रतालुहुके बिहानेसे खानपिनके तयारीमे जुटल रहै ।

आजके खानामे खास कैके भात, खँरिया, फुलौरी, पोंड मिलाइल ठुसा, सुखौरा मच्छी, चिचिण्डो, घिरौला, भेन्डी लगायतके विजोर संख्यामे तरकारी बनाइल रहठ । मच्छीक सुखौरा विशेष मानजाइठ मने सिकर भर नैरहठ । फहार्पाछे किल सिकार नन्ना या खैना करजाइठ । फहार्पाछे निकारल अग्रासन आपन चेत्तीवेटिनहे डेना चलन रहल बा ।



पहुरा समाचारबाता
धनगढी, २७ भदौ । कैलाली जिल्लाके कैलारी गाउँपालिकामे बालबालिका लक्षित बजेट तथा कार्यक्रमबारे छलफल कैगिल बा ।

बाल कल्याण संघ टीकापुरके आयोजनामे हुइल कार्यक्रम गाउँपालिका उपाध्यक्ष भगवतीकुमारी चौधरीके अध्यक्षतामे हुइल रहे । कैलारीहे बालमैत्री स्थानीय तह कैसिक बनाई सेक्ना कना उद्देश्य लेके बालबालिका लक्षित बजेट तथा कार्यक्रमबारे छलफल कैगिल हो ।

कार्यक्रममे गाउँपालिका उपाध्यक्ष भगवतीकुमारी चौधरी बालमैत्री स्थानीय तह बनैना ढेर सुचक पार करेपर्ना कहटी उ सुचक पार करके लाग एकल प्रयाससे पुरा नैहुइना बटैली । उहाँ कहली, गाउँपालिका, संघसंस्था, अभिभावकहुकनसे बालबालिकाके क्षेत्रमे ढेर बजेट लगानी करजाइठ । प्रतिफल सोचल नैआइठ, टबमारे बालमैत्री स्थानीय शासन बनैना बहुत सहजुल टे नैहो मने सक्कु जाने लगलेसे करफि नैहो ।

गाउँपालिकाके प्रमुख प्रशासकीय

अधिकृत दलबहादुर धामी हरेक व्यक्ति आपन बच्चा सुघे कना सोच रहल मने उहीसे आघे अपने सुधना जरुरी रहल बटैल । उहाँ कहलै, अब्बे असिन समय आगिल कोई कुहीहे नैटेरठ । अब्बे मने आपन आफन्तहेफे चिन्हे छोरल बटै ।

बालबालिकाहुके बाल विवाह कैना, लागुओषधके दुर्व्यशनीमे लगना कना अभिभावक जिम्मेवार ओ वास्ता नैकरलपाछे हुइना बटैल । उहाँ कहलै, सभ्य घर परिवारके बालबालिका ओसिन कबु करे नैसेक्ना कहटी बालबालिकाहुकनहे सुधार करके लाग अपनही सुधे पर्ना जरुरी बा । गाउँपालिकासे एकचोटे बालमैत्री स्थानीय तह घोषणा करे नैसेक्ना मने ४, ५ ओ ८ नम्बर पोषणमैत्री घोषणाके तयारीमे रहल ओरसे उहीसेफे ढेर सुधार हुइना बटैल । वडा नम्बर ८ के वडा अध्यक्ष तारामल कठरिया बालविवाह ओ लागु औषधके समस्या बहटी रहल कहटी बालमैत्री वडा घोषणामे समस्या हुइल बटैल ।

कैलारी गाउँपालिकाके स्वास्थ्य शाखा प्रमुख नरेशकुमार चौधरी बालबालिका तथा (बाँकी २ पेजमे)

लुम्बिनी प्रदेशमे अँटवारीके दाड सहित ६ जिल्लामे सार्वजनिक विदा



पहुरा समाचारबाता
दाङ, २७ भदौ । लुम्बिनी प्रदेश सरकारसे थारु समुदायसे मनैना बड्का अँटवारी पर्वके अवसरमे प्रदेशके ६ जिल्लामे सार्वजनिक विदा डेले बा ।

लुम्बिनी प्रदेश सरकार, आन्तरिक मामिला, कानून, उद्योग तथा यातायात मन्त्रालयसे सार्वजनिक सूचना जारी करटी

भदौ २८ गते अँटवार बड्का अँटवारी पर्वके अवसरमे दाङ, बाँके, बर्दिया, कपिलवस्तु, रुपन्देही ओ नवलपरासी (बर्दघाट सुस्ता पश्चिम) जिल्लामे सार्वजनिक विदा डेना जनाइल हो । प्रदेश राजपत्रमे प्रकाशित सूचना अनुसार उ पर्व मनैना समुदायके लाग केल्ह सार्वजनिक विदा डेना निर्णय करल मन्त्रालयसे स्पष्ट परले बा ।

सुदूरपश्चिम प्रदेशको अत्याधुनिक सुविधा सम्पन्न

निसर्ग हस्पिटल
एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा.लि.

विशेषज्ञ डाक्टर तथा ओ.पि.डी सेवाहरू

जनरल फिजिसियन (पेट, छाती, मुटु रोग विशेषज्ञ)	रेडियोलोजी विशेषज्ञ	न्युरो, नसिताक, नशा तथा मेरुदण्ड रोग विशेषज्ञ	हाडजोर्नी तथा स्पोर्ट्स फिजियोथेरापिस्ट
हाडजोर्नी तथा नशारीय विशेषज्ञ	जनरल तथा ल्याप्रोस्कोपिक सर्जन	स्त्री तथा प्रसूति रोग विशेषज्ञ	नवजात शिशु तथा बालरोग विशेषज्ञ
नाक, कान, घाँटी तथा थाइरोइड रोग विशेषज्ञ	एनेस्थेसिया तथा क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ	मुख, अनुहार तथा वङ्गारा विशेषज्ञ	मानसिक तथा नशा रोग विशेषज्ञ
खाला, यौन, कुष्ठरोग तथा सौन्दर्य विशेषज्ञ	मृगौला तथा मुत्ररोग विशेषज्ञ	मुटु रोग विशेषज्ञ	

Hasanpur, Dhangadhi-5, Kailali, Nepal
091-527000/01/02, 9865680100, 9804600745
www.nisargahospitalnepal.com / nisargahospitalnepal

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित

सठपाढक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)

कार्यकारी सठपाढक : राम दहित (९८४८४९४५१८)

भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी

पहुना सठपाढक : कृष्णराज सर्वहारी

व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी

प्रधान कार्यालय: धन.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)

मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)

पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७८०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी

E-mail: dailypahura@gmail.com,

Website: pahura.com

मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, वेहडी, धनगढी

बहत्तर वर्षमे नागरिकता हातमे



बैतडी, २७ भदौ । दशरथ चन्द नगर पालिका-१, पितलथलाके भुन्टी लुहार नेपाली नागरिकताके प्रमाणपत्र हातमे पाके उहाँके उमेर ७२ वर्ष पुगल रहे । जीवनके उत्तरार्धमे नागरिकता पैना उहाँक लाग एक कागजके प्रमाणपत्र किल नैरहे, राज्यसँग अपन औपचारिक सम्बन्ध स्थापित हुइल अनुभूति फेन रहे ।

अविवाहित तथा बौद्धिक अपांगता रहल भुन्टी बाबाडाइक सहारामे जीवन बिटैलि । बाबाडाइक निधनपाछे दादाक सहारामे जीवन गुजरटि रहल उहाँसँग नागरिकता नैहोके राज्यसे प्राप्त हुइना कुछ सेवा सुविधासे समेत वञ्चित हुइति आइल रहे ।

बालबालिका लक्षित...

किशोर किशोरीके क्षेत्रमे प्रयाप्त बजेट विनियोजन करटी आइल बटैलै । यहाँ बालविवाह बहल कहटी आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मे केह २० वर्ष टरेक ८८ जाने बच्चा जन्मैले बटै जेन्ने वडा नम्बर ८ केह ११ जाने रहल बटैलै ।

महिला बालबालिका तथा जेष्ठ नागरिक शाखा प्रमुख बालकुमारी चौधरी बालबालिकाके क्षेत्रमे आर्थिक वर्ष २०८०/८१ मे १० लाख ५० हजार, २०८१/८२ सालमे ४ लाख ८५ हजार, २०८२/८३ सालमे ६ लाख ७५ हजार ओ यिहे आर्थिक वर्षमे १६ लाख बजेट बालबालिकाके क्षेत्रमे रहल बटैली ।

पञ्जीकरण शाखाके प्रमुख

दश चालक बना सकु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनैके ।

सीप सिक्की, स्वरोजगार बनी विद्यार्थी ओ गुणमे अउईयाहुकनहे विशेष छुटसहित... हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुकनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोट: साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सकु सिकाह विद्यार्थीहुकनहे सम्पर्क कौना सहर्ष जानकारी कराइटी ।

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोन ०९१-४१०२३७ मो ९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेकि । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पकि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । -सम्पादक

थारु समुदायके अटवारी: कहिया ओ कैसिक

अटवारी, थारु समुदायके महान् चाड माघ पाछेक दोसर भारी पर्वके रूपमे मानजाइठ । यी पर्वमे खास कैके पुरुषहुके निराहार व्रत बैठके मनैठै । यद्यपि स्वेच्छा कोइ महिलाहुके फेन व्रत बैठल पाजाइठ । दीर्घायु, सुस्वास्थ्य एवम् सुखमय जीवनके कामनासहित मनैना यी पर्व प्रायः भदौ महिनामे परठ । यकर तिथि मितिके बारेमे हरेक वर्षजुटे टमान मतमतान्तर हुइति आइल बा । ठाउँ अनुसार चालचलनमे विविधता बा ओ यकर ऐतिहासिक, धार्मिक, सामाजिक पृष्ठभूमिके बारेमे फेनटमान धारणा आघे आइल डेखाइठ । यीकारण पाछेके समय यी पर्वके निश्चित तिथि, मिति हुए परना बाट थारु समुदायके बौद्धिक वर्गके बहसके विषय फेन बन्ति आइल बा । अटवारी कहिया मनाजाइठ ?

अटवारीके परम्परागत अवस्था ओ पृष्ठभूमिहे हेना हो कलेसे यी खास कैके भदौ महिनाके पहिल अँट्‌वारसे लेके दशैसम सकु अँट्‌वारके रोज अटवारी पर्वके रूपमे मन्ना चलन रहे । मने, यी चलन अब्बे नैहो । समयसँग अब्बे यी पर्व एक अँट्‌वारमे किल सीमित होसेकल बा । पुरान चलनहे हेरलेसे जैसिक हिन्दू महिलाहुके सावन महिनाके प्रत्येक सोम्मार व्रत बैठलहस थारु समुदायमे भदौ महिनाके पहिल अँट्‌वारसे दशैसमके सकु अँट्‌वारके रोज व्रत बैठना चलन रहे ।

ओस्टेके कौनो साल कात्तिकमे दशै परल कलेसे एक्के व्यक्ति १३-१५ चोसम व्रत बैठे परना अवस्था होए । अत्रा लम्मा समयसम लगातार व्रत बैठे परना हुइल ओरसे दशैसमके सकु अँट्‌वारके रोज अटवारी व्रत सबजे नैबैठै । कुछ व्यक्ति भदौके पहिल अँट्‌वारसे लेके औसीके पहिल अँट्‌वारके अटवारी धुमधामसँग मनाके व्रत स्थगित करिठ कलेसे स्वेच्छिक व्रत बैठुइयन दशैसमके अँट्‌वार नियमित रूपमे अटवारी व्रत बैठै ।

समयक्रमसँगै भदौके पहिल अँट्‌वारसे व्रत बैठना अब्बे छोरल बा । भदौ महिना ऊ बेला ढेरजैसिनके घरमे भोकमरी हुइना ओ भगाडापखाला लगायतके महामारी तथा वर्षे धानबाली भित्रैना ओ हिउँदे धानबाली रोपाईं शुरु करना होके कामके चटारो रहल ओरसे व्रत बैठना छोरल जानकारहुके बटैठै । मने कुशे औसी पाछेक पहिल आइतबार बर्का अटवारी ओ ओकरपाछेक ४ अँट्‌वार स्वेच्छिक अटवारी पर्व मन्ना चलन निरन्तर रहल । अइसिक पाँच अटवारी व्रत रहनाहुकनहे 'पाँच अटवारीयन' कहिजाइठ । पाँच अटवारीपाछे दशै शुरु हुइठ । अब्बे बर्का अटवारी पाछेक चार अँट्‌वार व्रत बैठना चलन फेन हेरासेकल बा ।

अइसिक भदौ महिनाके पहिल अँट्‌वारसे लेके दशैसम, भदौ महिनाके पहिल अँट्‌वारसे लेके औसीके पहिल अँट्‌वारसम, कुशे औसीके पहिल अँट्‌वारसे लेके दशैसमके ५ अँट्‌वार

ओ कुशे औसीके पहिल अँट्‌वारसे किल व्रत बैठना यी चार मेरिक व्रतालुके साभ्ना दिन कुशे औसीके पहिल अँट्‌वारके रोज अटवारी रहल ओरसे यिहिनहे 'बर्का अटवारी' कहल हो । अन्य अटवारीहे भर सामान्य अटवारी अथवा छुट्की अटवारी कना चलन बा ।

यीकारण यकर मूल गहिराई नैबुइके बीचबीचमे तिथि-मितिमे मतमतान्तर हुइना करल बा । मने यकर परम्परागत विधि ओ प्रक्रियाहे गहिरके हेना हो कलेसे विवाद करे परना खासे नैडेखाइठ । सामान्यतया अटवारी थारु समुदायके अस्तिम्की पर्व पाछेक दोसर अँट्‌वार अथवा कुश अर्मावस (कुशे औसी) पाछेक पहिल अँट्‌वारहे बर्का अटवारी मन्ना चलन बा । बर्का अटवारी मानके ४ अँट्‌वारपाछे दशै

फेन बा । मने यी ओत्र सान्दर्भिक नैडेखाइठ । यदि तीजपाछेक अँट्‌वारहे मन्ना हो कलेसे 'पाँच अटवारी' व्रत बैठुइयनके अटवारी प्रभावित हुइ । औरे बाट थारु समुदायमे तीजके प्रभाव फेन एकडम पाछेसे परल डेखाइठ । थारुवस्तीमे आजके जैसिन काल्हके मिश्रित जातजातिहुकनके बसाई नैरहे । थारु समुदायके एकलौटी बसाई रहे । अपन कला, संस्कृति ओ सामाजिक मान्यताभिन्ने रमैना थारु समुदाय, अन्य समुदायके पर्वहे आधार बनाके अपन पर्वके निर्धारण करना विषय फेन नैहुइ । अहिलेक जस्टे टमान जातजातिहुकनके मिश्रित बसाई ओ सबजे एकऔरेक कला, संस्कृतिहे स्विकार सेकल अवस्थामे यी बाट उठैना स्वभाविक रलेसे फेन वास्तविकता भर नैहो ।

अन्य पर्वमे जस्टे अटवारीमे अपन चेलीबेटीहुकनहे घरमे बोलेना चलन नैहो । ब्रतालुहुके निकारल पहुर ...अग्रासन उहाँहुकनके घरमे पुगेना जैना चलन बा । अग्रासन पुगेना प्रायः दादाभैया जैना करठै । दादाभैया नैरहल अन्य सदस्यहुके जैठै । चेलीहुके फेन अग्रासन डेहे आइलहे मानसम्मान करठै । सम्मानार्थ जाँर, दारु ओ सिकार खवैना करठै । अतिथि सत्कारके लाग थारु समुदायमे जाँरदारु भारी मानजाइठ । ओहेकारण जाँरदारु खुवाइ पाके सन्तुष्ट हुइल महसुस करठै । यी पर्व भातृत्वप्रेम ओ सद्भावके पर्वके रूपमे फेन लेना करजाइठ । लम्मा समयसम अपन लैहर जाइ नैपाके चेलीबेटीहुके यी पर्वमे अपन दादाभैया तथा परिवारसंग दुःखसुखके बाट खुलके कठै । अइसिक एक ठाउँमे बैठके सुखदुःखके बाट ओ खानपिनसे एकापसमे विश्वास ओ आत्मीयता बढाइठ । पारिवारिक सम्बन्ध फेन सुमधूर बनाइठ । मने यकर कुछ गलत पक्ष फेन बा । सम्मानके नाममे अत्याधिक मदिरा सेवन करना ओ करैना परम्परा समय सापेक्षित नैडेखाइठ ।

लागठ । काहे कि बर्का अटवारी पाछे थप चार अँट्‌वारके रोज अटवारी व्रत बैठना पुराने चलन बा । अथवा कुशे औसी ओ दशैके बीचमे अइना पाँच अँट्‌वारहे अटवारी माने सेकजाइठ । अइसिक पाँच अटवारी व्रत बैठना चलनसे फेन कुशे औसीके पहिल अँट्‌वार बर्का अटवारी हो कना प्रमाणित हुइठ ।

कौनो कौनो साल पितरपक्ष, मलमास या समय अनुकूल नैहोके (गाउँमे हैजा लगायतके रोगके प्रकोप ढेर डेखैना वा दैविक प्रकोपके कारण) समय हेरके अटवारी पर्व मन्ना चलन फेन बा । अइसिन करलेसे पाँच अटवारी व्रत बैठुइयन सकु अँट्‌वारके व्रत बैठे नैसेकना ओ अँट्‌वारी फेन फरक-फरक मितिमे मनैना बाध्यात्मिक समस्या देखापरठ । यी वर्षके अटवारीहे हेना हो कलेसे कुछ भ्रम कुछ मनैन्के धारणा हिन्दू नारीहुकनके हरितालिका तीज पाछेक अँट्‌वारहे अटवारी मन्ना

हुइना टे कुशे औसी पाछेक पहिल अँट्‌वार प्रायः तीज पाछे परठ । यी एक संयोग किल हो । यिहिनसे फेन तीज पाछेक अँट्‌वारहे मन्ना कना बाटके बढावा डेहे सेकठ । मने यी सत्य नैहो ओ एकडम अस्टे फेन नैरहठ । कबुकाल टे तीजके दिन अँट्‌वार परठ अथवा तीज आगे फेन परठ । मने, पाछेक समय यिहे तर्कके भ्रममे परके फरक फरक अँट्‌वारके अटवारी मन्ना समस्या देखापरल बा ।

ओस्टेके चतुर्थी ओ षष्ठी दिन पनि व्रत बस्दा अशुभ हुने तर्कहरू हुँदै आएका छन् । यस विषयमा पनि लामो बहस भइसकेको छ । यस वर्ष आइतबार प्रतिपदा परेको र शनिबार औसी परेकोले पहिलो आइतबार अछुत मानिने तर्क आएको छ । यो तर्क पनि तर्कका लागि तर्क मात्रै हो जस्तो लाग्छ । किन कि थारु समुदायमा यस्ता तर्कहरूले अर्थ राख्दैन, यी कुराहरू पनि बाह्य प्रभावमा उठेको हुन् ।



छविलाल कोपिला

अटवारी विशेषतः अँट्‌वारसँग जोरके आइल पर्व हो । यीकारण अटवारी पर्वहे यी ओ उ बहानामे विषयान्तर करनासे यकर परम्परागत पृष्ठभूमिहे अध्ययन करना जरुरी बा । जैसिक हिन्दू महिलाहुकनके सावने सोम्मार व्रतहे कौनो चतुर्थी, षष्ठीसे छेकबार नैलगाइठ । ओस्टेके थारु समुदायके अटवारी व्रत फेन भदौ महिनाके पहिल अँट्‌वारसे दशैसमके अँट्‌वारके कौनो तिथि मितिसे असर नैकरठ ओ स्वेच्छा अनुसार तोकल समयसीमाके जौनफेन अँट्‌वारके व्रत बैठे सेकना जानकारहुके बटैठै । मने बर्का अटवारी अथवा औसीके पहिल अँट्‌वारके व्रत अनिवार्य जस्टे रहठ ।

रूपन्देहीके साहित्यकार बमबहादुर थारु 'रूपन्देहीको थारु समाज र संस्कृति' कना अपन पुस्तकमे कुशे औसीके आठौं दिनपाछेक अँट्‌वारहे बर्का अटवारी मन्ना बाट उल्लेख करले बटै । उहाँ 'पाँच अटवारी'के विषयमे भर कौनो बाट उल्लेख करले नैहुइठ । हुइना टे रूपन्देही, नवलपरासी, चितवन लगायतके पर्वके कुछ जिल्लामे मनैना विधि प्रक्रिया पश्चिमा जिल्लासे फरक बा । मने, कपिलवस्तु, दाङ देउखुरी, बाँके, बर्दिया, कैलाली, सुर्खेत ओ कञ्चनपुरके थारुहुकनमे वैचारिक धारणा फरक फरक रलेसे फेन विधि प्रक्रियामे भर एकरूपता पाजाइठ । अटवारीमे केकर पूजा हुइठ ?

प्रकृति पुजक थारु समुदायमे खास कैके यी पर्व सूर्यके पूजा कैके रूपमे मनाजाइठ । सूर्यहे ओज्जार, अग्नी ओ शक्ति (उजर्ग)के प्रतीकके रूपमे मानजाइठ । रवि कलेक सूर्य (सुरज) अथवा अग्नी । जब भयावह कालरात्रि चिरके सूर्यके उदय हुइलपाछे यी संसार ओज्जार हुइल कना किम्बदन्ती बा । सूर्य अअन्धार चिरके ओज्जार कराइठ । जिहिनसे मनै किल नैहोके यी पृथ्वीमे बैठना हरेक प्राणीहे सहजिल हुइठ । प्रकृतिप्रति विश्वास करना थारु समुदाय, सूर्य ओज्जारके प्रतीक करल ओरसे यकर पूजा उज्यालोदाताके रूपमे करल हो । अँट्‌वारहे रविवार फेन कहिजाइठ ।

यी पर्वके विषयमे कुछ अन्य मिथक फेन बा । श्रीमद्भागवत् पुराण अनुसार यी व्रत सबसे पहिले सन्तनु राजाके पुत्र राजकुमार देवदत्त अटवारी व्रत बैठलै कना उल्लेख बा । उहाँ सूर्य उपासक रहै । उहाँ विहेवारी फेन नैकरलै । (बाँकी ३ पेजमे) राजकुमार

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक: हमार यहाँ बोइलर मुगिनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहवी । नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम टेलिभरीके सुविधा बा । प्रो.रमेश चौधरी केभी मासु पसल कैयावेहडी चौक, धनगढी कैलाली शावद उर्माव लगे मो. ९८११६३५६८० एबुलेन्स नम्बर ९८२४६८९६७८, ९८५८४३७०१८, ९८१४६८०८०५६, ९८१४६८०००६८, ९८१४६८०२८५ प्रहरी अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ४२९३०१ जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-४२९१५०,१०० वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-४२९१९,११०	इपिका अतरीया ०९१-४४०९२२ जिनगर प्रहरी चौकी ०९१-४२९१८३ जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-४२९१५३ इपिका मसुरिया ०९१-४०२०१४ इपिका चौमाला ०९१-६९२५७१ इपिका लम्की ०९१-४४०९१९ इपिका मजनी ०९१-४८०९१९ इपिका सुखड ०९१-४२९१६६ इपिका मालाखेती ०९१-४४०९२२ इपिका फल्तुरे ०९१-६९०३३० इपिका हसुलिया ०९१-४२९१४३ इपिका पाण्डौन ९०४९०१४९०५ सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-४२९२०६ इपिका टीकापुर ०९१-४६०९१९ स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ४२९१२८ बैक नेपाल राष्ट्र बैंक ०९१-२९३२२ नवजिवन बैंक ०९१-४२३६४३ कृषि विकास बैंक ०९१-४२९२३४ मालिका विकास बैंक ०९१-४२३३३८ बैंक अफ काठमाण्डौ ०९१-४२३३८६ बैंक अफ एसिया ०९१-४२४६४०	नेपाल बगलादेश बैंक ०९१-४२९७८५ सिटिजन बैंक ०९१-४२७४८५ कुमारी बैंक ०९१-४२६०३८ संनाराईज बैंक ०९१-४२४८५० नेपाल इन्वेसमेन्ट बैंक ०९१-४२३७०६ एनएमबी बैंक लि.०९१-४२९२९६ सरकारी कार्यालय जिल्ला प्रशासन .०९१-४२९१०१ जिल्ला विकास .०९१-४२३४६० नगरपालीका .०९१-४२९४२९ मालपोत.०९१-४२९२०१, लापी शाखा.०९१-४६०४०२ कृषि विकास .०९१-४२३२४५, भूमि सुधार.०९१-४२९२४५ जिल्ला हुलाक.०९१-४२९१५२, नेपाल बाल संगठन: ४२३६६५ अस्पताल सेती अञ्चल.०९१-४२९२७९ नवजिवन ०९१- ४२९२३३/४२९७३३ विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-४२३४३४ पद्मा धनगढी ०९१-४४०३४५ सेवा नर्सिङ होम अतरीया ०९१-४४०७९७ एम्बुलेन्स मसुरिया ९०४९०१८०८९ घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७ टीकापुर अस्पताल ०९१-४६०९४०	दमकल १०१ नेपाल रेडक्रस सोसाइटी ०९१-४२९३३३ कैलाली उ.वा.संघ ४२९३३७, ४२९३७१ एम्बुलेन्स : ४२९६०० सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८८४४४७४० विगत : ४२९१४४ दिनेश नेटल ०९१-४२९३९२ होटल डिजोटी ०९१-४२३९९८/४२९१३१ जगदम्बा०९१-४२३४१०, विद्या०९१-४२३२३३ तरुण ०९१-४२४६९३, सनलार्ड०९१-४२९४३६ बल्ड लिंक धनगढी: ४२०१४१ बालुवाजा०९१-४२२८३०/४२७९१० नेपाल पञ्जर कार म्हासंघ: ४२७९२२ शैक्षिक संस्था कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-४२९२३३ सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-४२३९१२ रेड्क्रस बहुमुखी क्याम्पस ०९१-४२९४०९ राजनैतिक पार्टी नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ४२४९१४ नेकपा (एमाले) कार्यालय : ४२९०१० बसपा(काउण्टर धनगढी) : ०९१-४२९२४२ एफ.एम दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ट्ज धनगढी: ०९१-४२६७०१
---	---	---	--

अवैज्ञानिक बस्ती विकाससे नदी किनारमे महाविपत्

काठमाडौं, २७ भदौ । नदी किनारमे बस्ती बैठ्के बाढके कारण हरेक वर्ष भारी मात्रामे जनधनके क्षति हुइना करल बा । नेपालमे हरेक वर्ष मनसुनके समयमे हुइना भारी जनधनके क्षतिके मुख्य कारणमध्ये एक यिहे हो । यी मुलुकके एक गम्भीर समस्या हो । भदौ १० गते रसुवाके भोटेकोशीमे आइल विनाशकारी बाढसे नदी किनारके बस्तीमे पुगैना महाप्रलय यकर पाछेक उदाहरण हो ।

कुछ दशकाधेसम मनै पहाडके उच्च स्थान ओ डाँडामे घर बनाइए, जहाँ बाढके जोखिम नैरहे । तल फाँट ओ बँसीमे खेतीपाती करजाए । बँसीमे गोठ किल होए । मनै बँसीमे बैठे । नदी किनारके उब्जाउ समथर भूमिहे केवल खेतीपातीके लाग किल प्रयोग करे । नदीमे भारी बाढ अइलेसे फेन अन्नबाली किल नष्ट होए, मानवीय ओ भौतिक क्षति नैहोए । पहिलेक यी जीवनशैली दैवी प्रकोपसे जोगैना एक उत्कृष्ट प्राकृतिक तथा व्यावहारिक उपाय रहे । यिहिने स्थानीय भाषामे ‘बँसी भरना ओ डाँडामे बैठना’ प्रणाली कहिजाए ।

भूप्राविधिक इन्जिनियर डा. मन्दिप सुवेदी पाछेक वर्षमे सडक सञ्जाल,

यातायात, बजार ओ सुविधाके खोजीमे मनै पहाडसे टरे आए नदी किनार ओ बँसीमे घन बस्ती बैठेनाके साथे नदीके बहाव क्षेत्र मिचके घर, होटल ओ बजार बनैना अब्बे बाढ आके भारी संख्यामे मानवीय क्षति ओ अबौंके भौतिक नोक्सानी हुइना करल बटैलै ।

मुलुकके भौगोलिक बनावटके कारण आइ सेवना विपत्के दृष्टिकोणसे कुछ वर्षयहोर हमार बस्ती विकास उल्टा हुइ लागल बटैटि उहाँ कलै, “नदी किनारके क्षेत्र प्राकृतिक रूपमे पानी बहना ओ फैलना ठाउँ हो । जब मनै यी क्षेत्रमे बसोबास करउँ, तब प्राकृतिक विपत्से भारी मानवीय ओ आर्थिक संकटके रूप लेहठ ।

जलवायु परिवर्तनके कारण मौसम और अनपेक्षित बन्टि गैल अब्बेक समयमे हमार पुर्खाके पर्यावरण-अनुकूल ज्ञान ओ भू-उपयोग नीति (ल्यान्ड युज प्लानिङ) हे आधुनिक इन्जिनियरिङसँग जोरके पुनर्विचार करना एकदम आवश्यक रहल उहाँक कहाइ बा । उहाँक अनुसार ३०/४० वर्षाधेसम नदी किनारमे बस्ती नैरहे । नदी किनारमे रहल विकाससंगे टमान रोजगारी ओ अवसरके खोजीमे मनै ओहे बस्ती बैठाइ लागल हो ।

थारु समुदायके...

देवदत्त चारभाइ रहै । देवदत्त, भीष्मपितामह, पाण्डु ओ विदुर । भीष्मपितामह अँडेर ओ पाण्डु पाण्डा रोगी (कुछ रोग) रहल ओरसे उहाँहे पाण्डु कहल हो । सूर्यके पूजा करलपाछे पाण्डुके रोग ठिक हुइल । धार्मिक दृष्टि सूर्य पूजा (अग्नि पूजा) करलपाछे कुछ रोग ठिक हुइठ कना प्राचीन धारणा बा ।

टबेमारै यी व्रत पहिल राजकुमार देवदत्त बैठलै । पाण्डु, कुन्ती, माद्री, कर्ण, भीम लगायत सूर्यके पूजा हेतु श्रीमद्भागवत सुनैलै । ओकरपाछे देउताहुके सूर्यके पूजा करे लगलै । ओस्टेके भारी-भारी ऋषिमुनिहुने फेन सूर्यके उपासकके रूपमे सूर्यके जन्म डेना अँट्वारहे अटवारी व्रत बैठके मनाइ लागल कना बाट वीरबहादुर चौधरी अपन पुस्तक ‘वीरबहादुरके ऋतु’मे उल्लेख करले बटै । जोन अब्बे फेन यी चाड चलन चल्तीमे बा ।

औरै मिथक महाभारत कथासँग जोरल बा । पाँच पाण्डवमध्ये सबसे बलगर भेवाँ (भीम) रहै । जब कौरव ओ पाण्डवके लराइ हुइल । उ समय भीम रोटी पकैटि रहै । लडाई चरमोत्कर्षमे पुगलओरसे उहाँ रोटी पकैटि पकैटि टावामे छोरके लडाईमे गैलै । जब लराइसे अइलै उहाँ एकडम भुँखाइल रहै । टावामे छोरके गैल एक ओर किल पाकल रोटी खाके पेट भरलै ।

अटवारीमे अक्केकरे रोटी –एक ओर किल पकाइल रोटी) पकैना चलन बा । अइसिक अक्केकरे रोटी उहाँ भीमहे पूजन करजाइठ कना किम्बदन्ती बा कलेसे भीम, थारु राजा दंगीशरणहे लराइमे सघाइल ओ सबसे बलगर पुरुष भीम रहल ओरसे उहाँ जस्टे बलगर हुइना संकल्पके साथ पुरुषहुके उहाँक पूजा कैके अटवारी व्रत बैठना विचार फेन जनमानसमे बा । अइसिक अटवारी पर्वके बारेमे अध्ययन करेबेर वैचारिक एकरूपता रहल पाजाइठ । ठाउँ अनुसार फरक फरक विचार, चालचलन ओ प्रक्रिया रहल पाजाइठ ।

अटवारी कैसिक मनाजाइठ ?
अटवारी, व्रत बैठके मनैना पर्व रहल ओरसे यम्ने फेन ‘डटकट्टन’ (दर) खैना चलन बा । दर खाइक लाग शनिचरके राज दिनभर मच्छी मर्ना ओ औरै टिना, तरकारीके जोहो करजाइठ । मच्छीक सुखौरा (सुकुटी) ढेरजैसिन पहिले तयार करल रहठ । अटवारीमे मच्छीक सुखौरा विशेष मानजाइठ । मने अन्य कौनो चीजके मासु भर नैरहठ । सागमे पोंइ अनिवार्य जस्टे रहठ । भिन्डी, टोरै, ठुसा (मास जस्टे एक मेरिक दाल बाली, फिलिंगी, सिल्टुङ) लगायतके तरकारी रहठ । ‘डटकट्टन’ व्रत बैठइयन मुर्गा कोलासे पहिले खाइ परठ । यदि खैनासे पहिले मुर्गा बोलि कलेसे ‘डटकट्टन’ खाइ नैपाजाइठ । खैलेसे ऊ व्रत बैठे नैपाइठ । उहिनेहु डुठा मन्ना चलन बा ।

आइतबार अथवा अटवारीके दिन

व्रत बैठइयनके खान भान्सामे नैपाकठ । उहाँहुके बिहाने लहाके बहरी (घरके प्रवेशद्वारके पहिल कोठा) या अँगनामे गैयक गोबरसे लिपपोत करठै । लिपपोत कैके ‘कोरे आगी’ (भान्सामे पहिले प्रयोग नैहुइल आगी, चोखा आगी) मे रोटी पकाजाइठ । पुरान आगी आज अपवित्र मानजाइठ । ओहेकारण गनयारी काठ या फोर्सा काठ घोटके निकारल चोखा आगी प्रयोग करना करजाइठ । बाटुलो रोटी सूर्यके प्रतिकात्मक परिकारके रूपमे लेजाइठ । यी पर्वमे रोटी अनिवार्य रहठ । अन्य खैनाचिज भर सहायक रहठ । अटवारीमे अन्डी ओ गहुँके कैके दुई मेरिक रोटी रहठ कलेसे पक्की, अमूट (अम्बा, बेलौटी), केरा, तरुल, भेली मिठाई मिलाके मोर्साके भूजा ओ मिठाइपानी फेन रहठ । पहिल दिन नोन, बेसार, मिर्चा, मच्छी, सिकार भर आजके दिन बर्जित रहठ ।

रोटी पकाके तयार हुइ कलेसे स्नान कैके बिहान लिपपोत कैके ठाउँमे पिर्का या कौनो काठके वस्तुमे संगे बैठके अपन प्रक्रिया ओ बहैठै । खैनासे पहिले अगयारी (अगयारी) डेना चलन बा । निश्चित ठाउँमे गैयक गोबरसे पुनः पोटेके ओम्ने आगी ढरजाइठ । ओहे आगीमे सर्री धूप (सल्लाके धूप), नौनी ओ खाइक लाग तयार करना वस्तु (अन्डीके रोटी, गहुँक रोटी, पक्की, खिरा, अम्बा (बेलौटी), केरा, तरुल, भेली मिठाई मिलाइल मोर्साके भूजा ओ मिठाइपानी) एकएकचुटि सक्कु चीज एकमे मिलाके ओमे हवन करजाइठ (चहाजाइठ) । अइसिक आगीमे चहाइल कामहे ‘अगयारी’ डेहल कहिजाइठ ।

सूर्य आगीके मुख्य श्रोत हो । सूर्य अपनमे अग्नी हो । टबेमारै सबसे पहिले अग्नीहे अथवा सूर्यहे प्रसादके रूपमे अगयारी डेना चलन आइल हो । अगयारी डेना तीन चो दाहिन ओ तीन चो बाओरसे पानी पछना (पानीके घेरो डरना) चलन बा । कोइ-कोइ पाँच या सात फेरा फेन पछना करठै । ओकरपाछे अपन चेली-बेटीहुकनके लाग पहरके रूपमे ‘अग्रासन’ छुट्याइना चलन बा ।

अग्रासन कलेक अपने खैनासे पहिले छुट्याइल खैना कना बुझजाइठ । जोन अपन खैनासे पहिले अपन चेलीहुकनके नाममे छुट्याजाइठ । अग्रासन ‘अग’ ओ ‘रासन’ समास होके बनल शब्द हो । यहाँ ‘अग’ कलेक सबसे पहिले कना अर्थ हो ओ ‘रासन’ कलेक खैना कना बुझाइठ । अइसिक चेली-बेटीहुकनहे डेहेक लाग छुट्टे भाँरामे निकारके किल खैना चलन बा । यी काम दिनके हुइठ । अन्य व्रत जस्टे अटवारीमे दिनभर निराहार बैठे नैपरठ । दिनके पूजा कैके खैना चलन बा । यी क्रम सूर्यास्त नैहुइटसम चलठ । सूर्यास्तपाछे खैना काम पूर्ण रूपसे बन्द रहठ ।

औरै दिन सोम्मार, ‘फर्हार’ करजाइठ । फर्हार नैहुइटसम पानी समेत नैपिके निराहार बैठे परठ । फर्हार अटवारीके अन्तिम पूजा हो । यी दिन ब्रतालुहुके बिहानेसे खानपिनके तयारीमे

भदौ १० गतेक जस्टे महाविनाशकारी विपत्तिसे हुइना क्षति रोक्न नदी किनारसे निश्चित दूरी तोकके किल आवास निर्माण करना कडा कानून निर्माण कैके कार्यान्वयन करेपरना, नदीके किनारमे मजा प्रविधिके तटबन्ध बधन ओ माटि पकरके रना बाँस ओ अग्निसा जैसिन वनस्पति लगैना, नदीमे पानीके सतह बहटिकिल टरेक तटीय क्षेत्रमे साइरन वा मोबाइल एसएमएसमार्फत जानकारी डेना व्यवस्था मिलाइपरना ओ जोखिमयुक्त क्षेत्रमे रहल बस्तीके पहिचान कैके सुरक्षित स्थानमे एकीकृत बस्ती विकास कैके ओकर स्थानान्तरण करेपरना भू-प्राविधिक इन्जिनियर डा. सुवेदीके सुझाव बा ।

जलवायु उत्थानशील संरचना

पूर्वाधार विकास मन्त्रालयके सहसचिव सुशीलबाबु ढकाल भदौ १० गतेके महाविपत्तिसे पूर्वाधार निर्माणके क्षेत्रमे टमान शिक्षासमेत डेहल बटैटि आब करना पुनर्निर्माणके क्रममे जलवायु उत्थानशील संरचना (क्लाइमेन्ट रेजिलिएन्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर्स) किल निर्माण करना नीति सरकारसे लेहेपरना जानकारी डेलै ।

जुटल रठै । घरके अन्य सदस्य फेन सहयोग करल रहठ । आजके खानामे खास कैके भात, खैरिया, फूलौरी, पोंइ मिलाइल ठुसा, सुखौरा मच्छी, चिचिण्डो, घिरौला, भेन्डी लगायतके विजोर संख्यामे तरकारी बनाइल रहठ । मच्छीक सुखौरा विशेष मानजाइठ मने सिकर भर नैरहठ । फर्हारपाछे किल सिकार नन्ना या खैना करजाइठ ।

फर्हार, सक्कु पकवान तयार हुइलपाछे शुरू हुइठ । ब्रतालुहुके आघेक दिन जस्टे आज फेन लहाके धुवाई कैके अगयारी डेना अपन चेली-बेटीहुकनके लाग ‘अग्रासन’ निकार जाइठ । अग्रासन धातु वा प्लाष्टिकके भाँडामे निकारजाइठ । अग्रासन विशेषता: नम्हैन (मालु), कमल या केराके पातमे निकार जाइठ । अटवारी अइनासे कुछ दिन पहिले पट्टा टरना काम हुइठ । प्रायः अग्रासन पट्टा खुटके बनाइल दुना टपरीमे निकारजाइठ । उ नैहुइलेसे विकल्पके रूपमे कमलके पट्टा या केराके पट्टा प्रयोग करलेसे फेन पाजाइठ । अइसिक प्रक्रियागत रूपमे सक्कु कार्य पूरा होसेकल पाछे किल ब्रतालुहुके अन्न ग्रहण करठै ।

अन्य पर्वमे जस्टे अटवारीमे अपन चेलीबेटीहुकनहे घरमे बोलैना चलन नैहो । ब्रतालुहुके निकारल पहर ‘अग्रासन’ उहाँहुकनके घरमे पुगैना जैना चलन बा । अग्रासन पुगैना प्रायः दादाभैया जैना करठै । दादाभैया नैरहल अन्य सदस्यहुके जैठै । चेलीहुके फेन अग्रासन डेहे आइलहे मानसम्मान करठै । सम्मानार्थ जाँर, दाह ओ सिकार खवैना करठै । अतिथि सत्कारके लाग थारु समुदायमे जाँरदाह भारी मानजाइठ । ओहेकारण जाँरदाह खुवाइ पाके सन्तुष्ट हुइल महसुस करठै । यी पर्व भातृत्वप्रेम ओ सद्भावके पर्वके रूपमे फेन लेना करजाइठ । लम्मा समयसम अपन लैहर जाइ नैपाके चेलीबेटीहुके यी पर्वमे अपन दादाभैया तथा परिवारसंग दुःखसुखके बाट खुलके कठै । अइसिक एक ठाउँमे बैठके सुखदुःखके बाट ओ खानपिनसे एकापसमे विश्वास ओ आत्मीयता बहाइठ । पारिवारिक सम्बन्ध फेन सुमधूर बनाइठ । मने यकर कुछ गलत पक्ष फेन बा । सम्मानके नाममे अत्याधिक मदिरा सेवन करना ओ करैना परम्परा समय सापेक्षित नैडेखाइठ ।

यकर कारण अनावश्यक भ्रैकगडा, पानीमे डुबके मृत्यु, सडक दुर्घटना लगायत टमान घटना हुइल फेन डेखाइठ । यकर न्यूनीकरणमे ध्यान डेना जरूरी डेखाइठ । ओस्टेक अग्रासनके नाममे बासी खैनाचिज, खैनामे रंगके प्रयोग, अनावश्यक खर्च, कौनो साल अपन चेलीबेटी वहाँ अग्रासन पुगाइ नैसेक्के चेलीहुकनमे नकारात्मक सोचाई ढरना ओ एकापसमे मनमुटाव हुइल फेन डेखाइठ । उकारण पर्व, सबजे पर्वके मर्म अनुसार मनाइ परठ । यिहिने समय अनुसार परिमार्जन करटि अपन करना ओ मौलिकतामे सबजे सबहे खुशी पर्ना हिसाबमे मनाइ सेके परठ । अटवारी सबके शुभ रहे ।

उहाँ भोटेकोशीके बाढपाछे अब्बे सरकार उद्धार ओ राहतहे पहिल प्राथमिकतामे ढैके काम करटिरहल बटैलै । उहाँ कलै, “उद्धार ओ राहतपाछे विपत्पश्चात्के आवश्यकता आकलन (पोस्ट डिजास्टर निड्स एसेसमेन्ट) के काम रहठ ओ ओकर आधारमे पुनर्निर्माणके काम आगे बहाजाइठ ।”

पुरान विधि सुरक्षित

तत्कालीन सहरी विकास मन्त्रालयके पूर्वसचिव इन्जिनियर मणिराम गेलाल डाँडामे बैठना ओ फाँटमे खेतीपाती करना हमार पुर्खासे अपनाइल विधि नेपालके पहाडी ओ हिमाली भूगोल अनुसार अति सुरक्षित रहे कना बाट रसुवाके बाढसे प्रमाणित करल बटैलै । खोला, नदी रहल ठाउँमे सुरक्षित बस्तीके लाग डाँडामे बैठना ओ फाँटमे खेतीपाती करना परम्परागत विधि सबसे भरपरना रहल उहाँक कहाइ बा ।

पूर्वसचिव इन्जिनियर गेलाल भोटेकोशी महाप्रलय नदी किनारमे बस्ती विकासके नयाँ नीतिके आवश्यकता औल्याइल बटैटि नदीके बहाव क्षेत्र (क्वाच प्वाइन्ट) हेरके ओम्ने आइल पानी बोक्नहे कत्रा क्षेत्रफल चाहठ, ओकर आकलन कैके ओ उहिन छोरके किल बस्ती विकास करेपरना बटैलै ।

बागमती नदीके उदाहरण डेटि उहाँ कलै, “बागमतीके बाढ सबसे ढेर अइना ‘डिस्चार्ज’ कत्रा घनमिटर रहठ ? अब्बे रहल चौडाइ कायम करलेसे पानीके उचाइ कहाँ पुगि ? उ उचाइमे पानी आइ कलेसे दार्याबायाँ कत्रा दूरीसम फैलि ? यी सब बाटके हिसाब कैके खोला, नदीहे पुग्न जमिन छोरके किल भौतिक संरचना निर्माण करे परठ ।” कौन नदीमे कत्रा पानी बहठ ओ उहिनेहे कत्रा क्षेत्रफल चाहठ कना हिसाब सहजिले निकारे सेक्न उहाँ स्पष्ट परलै ।

हरेक नदी खोलामे अब्बे जत्रा मापदण्ड कायम करल बा, ओम्ने थप २० मिटर थप्ना कना कुछ समयआघे सर्वोच्च अदालतसे करल निर्णाय उल्लेख करटि उहाँ थप २० मिटर नैरलेसे फेन नदीहे चाहना आवश्यक क्षेत्रफल छोरके बस्ती विकास करेपरना उल्लेख करलै । ओस्टेक नदी किनारमे जलविद्युत्लगायत पूर्वाधार आवश्यक ‘मार्जिन’ छोरके किल निर्माण करेपरना उहाँक सुझाव बा ।

अन्तर्राष्ट्रिय

होर्मुजमे तनाव बह्के तेल आपूर्ति जोखिममे

काठमाडौं, २७ भदौ । इरान ओ संयुक्त राज्य अमेरिकाबिच हर्मुज जलघाँटीहे लेके सैन्य तनाव बहलपाछे विश्व बजारमे तेल आपूर्ति प्रभावित हुइना जोखिम बहल बा । इरान अपन तेल ट्यांकरउप्पर अमेरिकी आक्रमणके जवाफमे अमेरिकी सैन्य तथा सहयोगी राष्ट्रके लक्ष्यमे नयाँ आक्रमण करले बा ।
इरानके इस्लामिक रिभोलुसनरी गार्ड्स (आइआरजिसी) हर्मुज जलघाँटी पार करे खोजल २० अमेरिकी जहाजउप्पर आक्रमण करल दाबी करले बा । विश्वके तेल तथा तरलीकृत प्राकृतिक ग्यासके करिब पाँचौं हिस्सा ओसारपसार हुइना उ जलमार्गमे इरान युद्ध सुरु हुइलसे कडाइ करटि आइल बा । जलघाँटी प्रयोग करना अनुमति लेहेपरना ओ पारवहन शुल्क तिरेपरना व्यवस्थाके कारण अन्तर्राष्ट्रिय व्यापार तथा ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुइल बटाइल बा ।
अमेरिकी सेना एक दिनआघे पाँच ठो इरानी तेल ट्यांकर नष्ट करलपाछे इरान जवाफी कारबाही करल आइआरजिसी जनैले बा । गार्डके अनुसार जोर्डनस्थित अल-अजराक अमेरिकी हवाई अड्डामे फेन क्षेप्यास्त्र प्रहार करले बा । जोर्डनके सेना भर इरानसे प्रहार करल १८ ठो क्षेप्यास्त्र गिराइल जनैले बा ।
अमेरिकी विदेशमन्त्री मार्को रबियो इरान अमेरिकी नौसैनिक जहाजउप्पर आक्रमण वा आक्रमणके प्रयास जारी करलेसे हरेक चो ओकर तेल ट्यांकर नष्ट करना चेतावनी डेले बटै । इरान फेन अपन ट्यांकरउप्पर आक्रमण हुइल अमेरिकी सहयोगी कुवेत ओ बहराइनमे रहल तेल ट्यांकरहे निशाना बनैना चेतावनी डेले बा ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौ र लगाऔ ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १९,५५०/- अनिवार्य रुपमा कायम गरौ/गराऔ ।
- समान कामको समान ज्याला लैगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔ, लैगिक हिसाको अत्य गरौ ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौ/नगराऔ ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौ व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौ ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौ ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔ ।



श्रम तथा रोजगार कार्यालय
धनगढी, कैलाली

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य तशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुस्के, पेट दुस्के समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुस्के तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ८ देखि साँझ ५ बजेसम्म)



धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

९ (राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) ☎ सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

पोषण लेखाजोखा तथा व्यवस्थापनबारे अभिमुखीकरण १ लाख ८३ हजारके सामान नियन्त्रण

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, २७ भदौ । कैलाली गाउँपालिकामे पोषण लेखाजोखा तथा व्यवस्थापन कार्यक्रमके पालिका समन्वय, अभिमुखीकरण तथा तयारी बैठक सम्पन्न हुइल बा ।

कैलाली गाउँपालिकाके आयोजना ओ पोषणके क्षेत्रमे कार्यरत रहल संघसंस्था केयर, आइडिडि ओ याक नेपालके समन्वय सहकार्यमे पोषण लेखाजोखा तथा व्यवस्थापन कार्यक्रमके पालिका समन्वय, अभिमुखीकरण तथा तयारी बैठक हो ।

कार्यक्रममे कैलाली गाउँपालिकाके प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत दलबहादुर धामी खाद्यन्नके भण्डार रहल ठाउँमे पोषणके समस्या डेखना कना मिलाके खाई नैजन्ना बटैलै । उहाँ कहलै, यहाँ टे खाद्यन्नके भण्डार हो । प्राय सक्कु चिज यिहसे उत्पादन हुइठ मने हम्मे पोषिलो खाना मिलाके खाई नैजानल ओरसे कुपोषण डेखल हो । कुपोषण टे पहाडके विकट ठाउँमे डेखा परेपना हो, यहाँ नाई ।

कार्णिक कर्णधार कना बालबालिका हुइठ, उहाँ कहलै बालबालिकामे कुपोषित रहलेसे पाछेसम समस्या हुई ओइने मजा जनशक्तिके रुपमे आई नैसक्की । यन्ने स्थानीय तह, संघसंस्था लागके केल्ह नैहुई, कुपोषण सुधारके लाग सक्कु जाने ध्यान डेहे पना जहरी बा ।

कैलाली गाउँपालिकाके स्वास्थ्य शाखा प्रमुख नरेशकुमार चौधरी पहिचान हुइल कडा तथा मध्यम शिघ्र कुपोषण हुइल बालबालिकाहुकनहे समममे व्यवस्थापन तथा पोषण प्रणालीहे प्रभावकारी बनैना मेरिक लागल बटैलै ।

पोषण लेखाजोखा अभियानके प्रभावकारी कार्यान्वयनके लाग स्थानीय तहके तयारी, समन्वय तथा सरोकारवालाहुकनके सक्रिय सहभागिता सुदृढ कैना, नेपाल सरकारके प्रोटोकल तथा पोषणसम्बन्धी सेवाके कार्यान्वयनबारे साझा बुझाइ विकास कैना, पोषण लेखाजोखा अभियान



सञ्चालनके लाग स्पष्ट कार्ययोजना तथा कार्यविधिमे सहमति कायम कैना उद्देश्यसे आघे बहल उहाँ बटैलै ।

याक नेपालके स्वास्थ्य तथा पोषण अधिकृत रुची रानामगर कैलालीके कैलालीमे पोषण सुधारके लाग सन २०२४ जुलाईसे २०२७ जुनसम पोषण परियोजना संचालन करके पोषण सम्बन्धी कार्यक्रम आघे बहाइल बटैली ।

उहाँ पोषण लेखाजोखा तथा व्यवस्थापन कार्यक्रम सञ्चालनबारे स्वास्थ्य शाखाके नेतृत्वमे पालिका स्तरमे अभिमुखीकरण तथा समन्वय बैठक, पोषण लेखाजोखा तथा व्यवस्थापन कार्यक्रमके अधिकतम उपलब्धीके लाग आवश्यक थप प्रचार प्रसार मुलक कार्यक्रम संचालन कैना, पोषण लेखाजोखा तथा व्यवस्थापन कार्यक्रम तयारी, उचाई अनुसारके तौल (जेड स्कोर), सुवाइल तह, पाखराके मध्य भागके परिधिको मापन विधि (वयस्यक तथा बालबालिका)से समुदाय स्तरमे परीक्षणके पूर्णताजगी तथा तथ्यांक व्यवस्थापन, प्रमाणीकरण बारे स्वास्थ्य संस्था स्तरमे स्वास्थ्यकर्मी तथा महिला सामुदायिक स्वास्थ्य स्वयंसेविकासंग गोष्ठी सञ्चालन कैना करल बटैली ।

पोषण लेखाजोखा तथा व्यवस्थापन कार्यक्रम सञ्चालन कैना स्वास्थ्यकर्मी ओ महिला सामुदायिक स्वास्थ्य स्वयंसेविका परिचालन कैना

करैना, समुदाय परिचालन मार्फत पहिचान हुइल बालबालिकाके तत्काल आवश्यक अभिलेखिकरण करके व्यवस्थापन कैना करल उहाँ बटैली ।

एकीकृत शिघ्र कुपोषण व्यवस्थापन कार्यक्रम निर्देशिका बमोजिम कुपोषणके सघनता ओ अन्य स्वास्थ्य जटिलताके आधारमे पोषण पुर्नःस्थापना गृह/केन्द्र, वा बहिरंग उपचार केन्द्रमे (२४ घण्टा भितर) सिफारिस कैना साथै स्वास्थ्यकर्मी मार्फत तत्काल आवश्यक सेवा डेना, स्वास्थ्य जटिलता नैहुइल कडा शीघ्र कुपोषण पहिचान हुके निको हुइल ओ पोषण पुर्नःस्थापना गृह/केन्द्रमे भर्ना हुके सुधार हुइल बालबालिकाके प्रमाणीकरण हुइल पश्चात पुर्नलाभके लाग पोषण बगैचा स्थापना कैना परिवारके सदस्यहुकनहे कृषि सामाग्री उपलब्ध करैना करल अधिकृत रुची रानामगर बटैली ।

मध्यम शीघ्र कुपोषण पहिचान हुइल बालबालिकाके लाग तोकल मात्रामे खाद्य तथा पुरक खाना वितरण कैना, उपयुक्त स्थानके छनोट करके वितरण कैना ओ खाद्य प्रदर्शनीमुलक कार्यक्रम सामुहिक रुपमे संचालन करटी आइल उहाँ बटैली ।

कार्यक्रम सम्पन्न हुइल पश्चात ओकर प्रभावकारिता, तथ्यांकके विश्लेषण ओ तथ्यांकके न्यायोचित प्रयोग (स्थानीय सरकार ओ सहयोगी निकाय समेतसे) साथे अल्पकालीन तथा

दीर्घकालीन रुपमे सञ्चालन करेपना क्रियाकलापके योजनाके लाग पालिका स्तरमे सर्वपक्षीय समिक्षा कार्यक्रम आयोजना करल बटैली ।

कार्यक्रममे स्वास्थ्य कार्यालय कैलालीके पोषण फोकल पर्सन रमा गिरी कैलालीके ढेर ठाउँमे कुपोषणके समस्या डेखल कहटी उहीहे कम करेक लाग सक्कु पक्षके बरबार भूमिका रहल बटैली ।

कैलाली गाउँपालिका सामाजिक विकास समिति संयोजक तथा वडा नम्बर ३ के वडा अध्यक्ष सन्तराम चौधरीके अध्यक्षतामे हुइल कार्यक्रम हुइल रहे । उहाँ गाउँपालिकासे स्वास्थ्य ओ शिक्षा ढेर बजेट लगानी करके बटैलै । कार्यक्रमके संचालन मनाउ आधारभूत स्वास्थ्य चौकीके प्रमुख कुसुम चौधरी करल रहित ।

कार्यक्रममे वडा अध्यक्षहुके, टमान शाखाके प्रमुखहुके, गाउँपालिकाभितरके स्वास्थ्य संस्थाके प्रमुखहुकनके सहभागिता रहे ।

भरुवा वन्दुक बरामद

पहुरा समाचारदाता

अछाम, २७ भदौ । जिल्ला अछाम साँफेबगर न.पा.२ श्रीकोट स्थित तपसीझाड जंगलके खोल्लामे फँलाटके रुखुवा टरे लुकाई छिपाई धारल भरुवा बन्दुक नाल-१ बरामद करल बा ।

शुकके दुपहर इलाका प्रहरी कार्यालय साँफेबगर, अछामसे खटल प्रहरी टोलीसे बेवारिसे अवस्थामे फेला पारके बरामद करल हो । यी सम्बन्धमे प्रहरी अनुसन्धान करटी रहल बा ।

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २७ भदौ । कैलाली ओ कञ्चनपुरके अलग अलग ठाउँसे १ लाख ८३ हजार ६३५ रुपया बराबरके अवैध भन्सार छलिके सामान नियन्त्रणमे लेहल बा ।

कैलाली जिल्लाके टमान ठाउँसे अवैध रुपमे भारतसे भन्सार छलि करके ल्यानल रु.१ लाख ७ हजार ८३५ बराबरके सामान नियन्त्रणमे लेहल हो । जिल्ला प्रहरी कार्यालय कञ्चनपुर तथा मातहत कार्यालयसे खटल प्रहरीसे पेय पदार्थ, चिनी, किराना लगायतके सामान नियन्त्रणमे लेह हो ।

जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलाली मातहत कार्यालयसे खटल प्रहरीसे

ओटरा बरबराबरके चिनी, चना, पानीपुरी, प्लाष्टिक भिल्ली लगायतके सामान नियन्त्रणमे लेहल हो ।

ओस्टेक करके कञ्चनपुर जिल्लाके अलग अलग ठाउँसे अवैध रुपमे भारतसे भन्सार छलि करके ल्यानल रु.१ लाख ७ हजार ८३५ बराबरके सामान नियन्त्रणमे लेहल हो । जिल्ला प्रहरी कार्यालय कञ्चनपुर तथा मातहत कार्यालयसे खटल प्रहरीसे पेय पदार्थ, चिनी, किराना लगायतके सामान नियन्त्रणमे लेह हो ।

अवैध लागुऔषधसहित तीन जाने पक्राउ

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २७ भदौ । कैलालीके अलग अलग ठाउँसे अवैध लागु औषधसहित तीन जाने पक्राउ परल बटै ।

कैलाली धनगढी उ.म.न.पा. १५ कनरीसे अवैध लागुऔषध खैरो हिरोइन २ ग्राम ६८० मिलिग्राम सहित उहे उ.म.न.पा. ७ बैठना वर्ष २९ के सुनिल राना ओ वर्ष ३२ के प्रकाश रानाहे जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलाली समेतसे खटल प्रहरीसे शुकके रात शंका लागके चेकजाँच करेबेर उ पदार्थ फेला पारके पक्राउ करल बा । यी सम्बन्धमे प्रहरी आवश्यक अनुसन्धान करटी रहल बा ।

प्रधानमन्त्री राहत कोषमे १२ अर्ब जम्मा

काठमाडौं, २७ भदौ । प्रधानमन्त्री राहत कोषमे करिब १२ अर्ब जम्मा हुइल बा । गैल भदौ १० गते रसुवाके भोटेकोशी नदीमे आइल बाढपाछे राहत ओ उद्धारके लाग आहूवान करल प्रधानमन्त्री राहत कोषमे कुल ११ अर्ब ९८ करोड ९७ लाख ९६ हजार ८४ रुपियाँ मौज्जात रहल प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद् कार्यालय जनैले बा ।

कोषमे जम्मा हुइल उ रकममध्ये ९ ठो वाणिज्य बैंकके खातामे ८ अर्ब ७८ करोड ८२ लाख ५८ हजार ३०४ रुपियाँ मौज्जात बा । अस्टेक, दुई ठो

करेबेर उ पदार्थ फेला पारके पक्राउ करल हो ।

ओस्टेक करके कैलाली धनगढी उ.म.न.पा.४ बसपाकसे अवैध लागुऔषध ब्राउनसुगर १ ग्राम ६४० मिलिग्राम सहित जिल्ला अछाम साँफेबगर न.पा.७ बैठना वर्ष २० के अभिजन भाटहे अस्थायी प्रहरी पोष्ट बसपाक, कैलालीसे खटल प्रहरी टोलीसे शुकके रात शंका लागके चेकजाँच करेबेर उ पदार्थ फेला पारके पक्राउ करल बा । यी सम्बन्धमे प्रहरी आवश्यक अनुसन्धान करटी रहल बा ।

वाणिज्य बैंकमे २ करोड ११ लाख ४३ हजार ४२७ अमेरिकी डलर मौज्जात रहल बा ।

यीआघे बाढ प्रभावित क्षेत्रमे राहत तथा उद्धारके लाग यी कोषसे १ अर्ब रुपियाँ राष्ट्रिय विपद जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन प्राधिकरणमे निकासी हुइल बा । बाढपाछे सरकार राहत ओ पुनर्स्थापनाके लाग सहयोग करना सार्वजनिक आहूवान करलसँगे स्वदेश तथा विदेशसे रकम संकलन होके कोषमे दाखिला हुइल हो ।

वाढी र डुवान हुनुपूर्वको तयारी

- ❖ नदीमा बढेको पानी, डयाम र तटबन्धको अवस्थाको जानकारी लिऔं,
- ❖ घरबाट नजिक रहेको सबैभन्दा अग्लो ठाउँ, चौर र सार्वजनिक भवनबारे थाहा पाइराखौं,
- ❖ आपतकालिन अवस्थाका लागि खाद्यान्न तथा औषधीजन्य सामाग्री घरको अग्लो ठाउँमा राखौं,
- ❖ गाउँ, टोल, बडामा रबरका डुङ्गा, लाईफ ज्याकेट, डोरी, बाँस र प्राथमिक उपचारका सामाग्री तयारी अवस्थामा राखौं,
- ❖ वर्षायाममा सधैं मोबाईलमा पर्याप्त ब्यालेन्स र ब्याट्री राखौं,
- ❖ वर्षा र बाढीको अवस्थाबारे टोल फ्रि नम्बर ११५५ वा सञ्चार माध्यमबाट जानकारी लिने गरौं,
- ❖ प्रहरी, सुरक्षा निकाय र एम्बुलेन्सको नम्बर राखौं, तत्काल सहायता चाहिएमा सम्पर्क गरौं ।



नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाइन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।



संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

Provide Health Related Services

सेवाहरू :

- ✓ मधुमेह(सुगर)
- ✓ थाइराइड रोग
- ✓ पेट,मुटु तथा छातिरोग
- ✓ कलेजी रोग
- ✓ TB, हेपाटाइटिस रोग
- ✓ ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- ✓ मोटीपना

डा. अकाश राउत
MBBS, MD (TJ), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304
➤ आउने समय : प्रत्येक दिन (२४से घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हावा सेवाहरू : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याबिन । २) स्त्री रोग तथा प्रसूती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गडबडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेसन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) न्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किडनीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेसन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अपरेसन) । ४) हाड(जोर्नी) तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गे, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेसिनबाट हड्डीको अपरेसन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पनु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा भ्रमभ्रमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अपरेसन आदि सेवा ।

कैलाली अस्पताल प्रा.लि



जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली

फोन नं. ०९१-४२४५५४, ४२४६५४, ४२९२४९